



परमाणु ऊर्जा का सामर्थ्य  
**आत्मनिर्भर भारत**



**इन्क्यूबेशन सेंटर – राराप्रौके**

का उद्घाटन

**श्री के. एन. व्यास**

सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग एवं

अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग

द्वारा दिनांक 30 अक्टूबर 2020 को किया गया

**INCUBATION CENTRE – RRCAT**

Inaugurated by

**SHRI K. N. VYAS**

Secretary, Department of Atomic Energy &

Chairman, Atomic Energy Commission

on 30<sup>th</sup> October 2020



परमाणु ऊर्जा का सामर्थ्य  
**आत्मनिर्भर भारत**



**अटल इन्क्यूबेशन सेंटर – राराप्रप्रौके**  
का उद्घाटन

**श्री के. एन. व्यास**

सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग एवं

अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग

द्वारा दिनांक 30 अक्टूबर 2020 को किया गया

**ATAL INCUBATION CENTRE – RRCAT**

Inaugurated by

**SHRI K. N. VYAS**

Secretary, Department of Atomic Energy &

Chairman, Atomic Energy Commission

on 30<sup>th</sup> October 2020

# RRCAT Hindi Name Reference

Department of Atomic Energy | DAE | Indira Gandhi Centre for Atomic Research | RRCAT - Raja Ramanna Centre for Advanced Technology | मुख्य पृष्ठ | परिवर्ती ऊर्जा संचयन | इतिहास

rrcat.gov.in/organization/cat/hin\_aboutus.html

भारत सरकार | परमाणु ऊर्जा विभाग  
राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र

संस्था परिचय | राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र के बारे में | संगठन | अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां | अवसर | समाचार एवं घटनाक्रम | निविदाएं | संबंधित लिंक्स | English Pages

संस्था परिचय

राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र

निदेशक का पृष्ठ

राज्य प्रौद्योगिकी बोर्ड

रोल ऑफ ऑनर (व्यक्तिगत)

रोल ऑफ ऑनर (समूह)

है, जो लेसर, कण त्वरकों एवं संबंधित प्रौद्योगिकी के गैर-नाभिकीय अग्रणी क्षेत्रों के अनुसंधान एवं विकास कार्यों से जुड़ा है।

राष्ट्र को आत्मनिर्भर एवं मजबूत बनाने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की उत्तरेक भूमिका के संबंध में अपने संस्थापक डॉ. होमी जे. भाभा की सूक्ष्म दृष्टि में परमाणु ऊर्जा विभाग का दृढ़ विश्वास रहा है। इसलिये प.ऊ.वि. ने हमेशा उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान व विकास कार्य को प्रोत्साहित किया है। इस दिशा में एक प्रमुख कदम तब उठाया गया, जब परमाणु ऊर्जा विभाग ने भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुंबई में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के दो प्रमुख क्षेत्रों त्वरक एवं लेसर के क्षेत्र में की जा रही अनुसंधान व विकास गतिविधियों को विस्तृत रूप देने के उद्देश्य से इंदौर में एक नए अनुसंधान केन्द्र-राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र की स्थापना की।

डॉ. राजा रामन्ना की अध्यक्षता में गठित एक स्थानीय चयन समिति ने सुखनिवास झील एवं इसके सभी सुरम्य क्षेत्र को इस नये केन्द्र के लिये चुना। इस स्थान को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने 7 फरवरी, 1984 को अनुमोदन किया। केन्द्र की प्रयोगशाला व निवास स्थानों के निर्माण कार्य का उदघाटन तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह ने 10 फरवरी, 1984 को किया। इस केन्द्र में जून 1986 में भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, मुंबई से वैज्ञानिकों के प्रथम दल का आगमन हुआ। तबसे यह केन्द्र लेसर, त्वरक व उनके अनुप्रयोगों से संबंधित अनुसंधान व विकास कार्यों के एक प्रमुख केन्द्र के रूप में तेजी से उभर रहा है।

केन्द्र में इस समय 572 वैज्ञानिकों व इंजिनियरों को मिलाकर कुल 1300 कर्मचारी हैं। इंदौर से बाहर लगभग 760 हेक्टेयर के सुरम्य क्षेत्र में फेले हुए आरआरकेट परिसर में प्रयोगशालाएं, कर्मचारियों के लिए निवास व मूलभूत सुविधाएं जैसे विद्यालय, खेलकूद, शॉपिंग सम्मिश्र, उद्यान इत्यादि शामिल हैं।

[संगठनात्मक चार्ट](#)

फीडबैक | डिस्कलेमर | नीति | अभिगम्यता विवरण | साइट मेप | संपर्क करें

यह साइट राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र की है। जिसकी डिजाइन और रख-रखाव का कार्य वेब टीम एवं होस्टिंग संगणक केन्द्र, आरआरकेट द्वारा की गयी है।  
सर्वोत्तम नज़ारा १०२४ x ७६८

https://www.rrcat.gov.in/organization/cat/hin\_aboutus.html

Search the web and Windows

12:09  
23-10-2020